प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्रमुख फसलों में खरपतवार प्रबंधन एवं गाजर घास प्रबंधन

पन्तनगर। 21 अगस्त 2024। विश्वविद्यालय में गाजर घास जागरूकता सप्ताह एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम परमा, ब्लॉक हल्द्वानी जिला–नैनीताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को संबोधित करते हुए परियोजनाधिकारी डा. एस.पी. सिंह ने गाजर घास से होने वाली हानियां तथा प्रबंधन के बारे में प्रकाश डाला। किसानों द्वारा बताया गया कि हम गाजर घास के बारे में जागरूक है तथा अपने स्तर से प्रबंधन भी कर रहे है तथा हमारे पशु इस घास को नहीं खाते है क्योंकि उन्हें पता है कि इस घास के खाने से बीमारी होती है। लेकिन इसका समुचित प्रबंधन नहीं हो पा रहा है क्योंकि अभी भी कुछ किसान इसका प्रबंधन ठीक से नहीं करते है जिससे यह पौधा दोबारा उग आता है फिर भी इस क्षेत्र में काफी हद तक इसे खत्म कर दिया गया है। जिस पर खरपतवार शोध परियोजना के वैज्ञानिकों द्वारा इसके पूर्ण उन्मूलन के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। इससे संबंधित लिफलेट को भी किसानों को वितरित किया गया। डा. तेज प्रताप, प्राध्यापक द्वारा किसानों को फसलों में खरपतवारों से होने वाले नुकसान तथा उनके उचित नियंत्रण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा सुझाव दिया गया कि खरपतवारनाशी केवल अच्छी कम्पनियों द्वारा अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदे, जिससे सही शाकनाशी का प्रयोग किया जा सके। शाकनाशी के छिड़काव के लिए फ्लैट फैन या फ्लैट जेट (बूम) नोजल का उपयोग करे जिससे शाकनाशियों द्वारा खरपतवारों का अच्छी तरह से नियंत्रण किया जा सके।

कार्यक्रम में भुवनचन्द्र आर्या, गौरव चौबे, गोपाल जोशी, राजेश ओली, कैलाश जोशी सहित लगभग 110 किसानों ने प्रतिभाग किया। परियोजना के अन्य कर्मी प्रक्षेत्र सहायक श्री हंसराज यादव, श्री विशाल विक्रम सिंह एवं धर्मेन्द्र कुमार (एस.आर.एफ) तथा डी.पी.ए. राजीव कुमार उपस्थित रहे। अंत में किसानों द्वारा गाजर घास के पूर्ण नियंत्रण हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। अंत में डा. तेज प्रताप ने किसानों द्वारा गाजर घास एवं अन्य खरपतवारों के नियंत्रण हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव किया।

किसानों को गाजर घास की जानकारी प्रदान करते अधिकारी।